आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 12.08.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में बारिश से सामान्य जन जीवन प्रभावित। राज्य के अधिकतर हिस्सों में अगले दो दिनों में भारी बारिश की चेतावनी।
- मुख्यमंत्री ने कहा– राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता और रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर काम कर रही है।
- मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के तहत अगले तीन साल में 15 हजार से अधिक उद्यमियों और समूहों को प्रशिक्षण, कानूनी सहायता, निवेश सहयोग तथा वैश्विक विपणन की सुविधा दी जाएगी।
- मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने राज्य के अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों का तत्काल विश्लेषण कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मौसम

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आज भारी बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज हरिद्वार, नैनीताल और उधमसिंह नगर में भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट, जबकि देहरादून, टिहरी, पौड़ी, चम्पावत और बागेश्वर में तेज वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार अन्य जिलों में भी कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना बनी हुई है। वर्षा का यह दौर आने वाले दिनों में भी जारी रहने का अनुमान है।

राज्य के अधिकांश हिस्सों में पिछले दो दिनों से बारिश का दौर जारी है। लगातार हो रही बारिश के कारण प्रमुख नदियों के जलस्तर में बढोतरी हुई है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में गाढ़–गदेरे ऊफान पर हैं। लगातार बारिश से सामान्य जन–जीवन भी प्रभावित हुआ है। मैदानी क्षेत्रों में कईं स्थानों पर जलभराव की समस्या हो रही है, जबकि पर्वतीय अंचलों में बारिश और भूस्खलन के कारण अनेक सड़क मार्ग आवगमन के लिये अवरुद्ध हैं।

इस बीच, मौसम विभाग ने लगातार हो रही बारिश के कारण आम लोगों को सावधानी बरतने और भारी बारिश के दौरान सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी है।

उधर, रुद्रप्रयाग जिले में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केदारनाथ धाम की यात्रा 14 अगस्त तक अस्थायी रूप से रोक दी गई है।

निगरानी / सुरक्षा निर्देश

राज्य में आगामी कुछ दिनों के लिए जारी रेड और ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रशासन, आनंद स्वरूप ने सभी जिलों के आपदा प्रबंधन अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने जिलों की मौजूदा स्थिति, वर्षा और प्रभावित क्षेत्रों की जानकारी ली और सभी विभागों को पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी, नदियों का जलस्तर बढ़ने पर लोगों को पूर्व सूचना और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर भेजने को कहा गया है।

श्री स्वरूप ने मैदानी क्षेत्रों में जलभराव से निपटने के लिए नाव, राफ्ट, और आवश्यक मशीन तैनात रखने के निर्देश दिए हैं और राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र को मौसम अलर्ट आम जनता तक पहुंचाने को कहा है।

अधिकारियों को आवागमन नियंत्रित रखने, आपदा की सूचना तुरंत देने, मार्ग बाधित होने पर तत्काल खोलने, स्कूलों में सावधानी बरतने और संवेदनशील मार्गों पर उपकरण पहले से उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। आम जनता को अनावश्यक बाहर न निकलने की अपील की गई है। किसी भी आपदा की सूचना 0135–2710335, 0135–2710334, 1070, 1077, 9058441404 और 8218867005 पर दी जा सकती है।

त्वरित कार्रवाई / जायजा

इस बीच, देहरादून जिले में मूसलाधार बारिश जारी रहने पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने कल सुबह से ही शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा कर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। कंट्रोल रूम पहुंचकर उन्होंने हालात की समीक्षा की और अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत राहत पहुंचाने, लगातार निगरानी रखने और आपात स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा।

जिलाधिकारी ने पटवारियों और कानूनगो को अतिवृष्टि की रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और नदी किनारे रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। रिस्पना क्षेत्र में आपदा की आशंका को देखते हुए एसडीएम कुमकुम जोशी के आदेश पर होटल शिवालिक द्रोणपुरी, धर्मपुर को राहत शिविर के रूप में अधिग्रहित किया गया है, जहां भोजन, पेयजल और ठहरने की व्यवस्था की गई है।

बारिश के कारण ब्रहमपुरी रोहिया नगर में दो मकान और लक्ष्मण चौक के पास एक मकान गिरने की घटना सामने आई, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। पुरकुल राजपुर रोड, ईश्वर विहार, केनाल रोड, मलिक चौक, ब्रहमवाला और धोरण में गिरे पेड़ों को हटाया गया। वहीं, आईटी पार्क और ईश्वर विहार रायपुर में जलभराव से फंसे लोगों को निकालने के लिए जिला प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की।

राज्यपाल मुलाकात/राहत बचाव अभियान जानकारी

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से राजभवन में पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने मुलाकात कर उत्तरकाशी में चल रहे खोज और बचाव कार्यों की जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस बल, एसडीआरएफ, अग्निशमन और पीएसी के कर्मी सेना, आईटीबीपी, बीआरओ और एनडीआरएफ के साथ मिलकर युद्धस्तर पर राहत–बचाव कार्य कर रहे हैं। पुलिस मुख्यालय में विशेष कंट्रोल रूम से सभी कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है और कार्यों में तेजी लाने के लिए कैडेवर डॉग्स, विक्टिम लोकेशन इक्विपमेंट और थर्मल इमेजिंग सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। प्रतिकूल मौसम और दुर्गम रास्तों के बावजूद टीमें लगातार सक्रिय हैं।

राज्यपाल ने सभी एजेंसियों को एकीकृत कमान प्रणाली में मिलकर काम करने, भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए पुलिस, अग्निशमन और एसडीआरएफ टीमों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने गहरे मलबे को हटाने में भू–वैज्ञानिकों की मदद लेने, बाढ़ संभावित क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और मौसम विभाग के अलर्ट को सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से व्यापक रूप से प्रसारित करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में आयोजित 'मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना' कार्यक्रम में सराहनीय कार्य करने वाली महिला स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित किया और उनसे संवाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं और राज्य सरकार भी मातृशक्ति के कल्याण के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता और रोजगार के क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बढ़ाने पर काम कर रही है। इस मौके पर श्री धामी ने मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना का शुभंकर और लोगो लॉन्च किया तथा 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नए उत्पाद और वेबसाइट का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के तहत अगले तीन साल में 15 हजार से अधिक उद्यमियों और समूहों को प्रशिक्षण, कानूनी सहायता, निवेश सहयोग और वैश्विक विपणन की सुविधा दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड के तहत 35 उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बाजार में उपलब्ध हैं और इन्हें जल्द ही अन्य देशों में निर्यात किया जाएगा। प्रदेश में 68 हजार स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी करीब 5 लाख महिलाएं कारोबार कर रही हैं, जिनमें एक लाख 63 हजार से अधिक 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। कार्यक्रम में कई महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए, जिन्होंने विभिन्न व्यवसायों से उल्लेखनीय आय अर्जित करने की जानकारी दी।

विश्लेषण निर्देश

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत को धराली सहित अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों का तत्काल विश्लेषण कर स्थिति की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्लेशियर पिघलने से बनने वाली झीलों और उनसे संभावित खतरों का आकलन कर, खासकर धराली और ऋषि गंगा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को प्राथमिकता पर लेते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि संभावित आपदा से पहले तैयारी सुनिश्चित की जा सके।

मुख्य सचिव ने प्रदेशभर के ऐसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों की पहचान करने को कहा, जहां झील बनने या उनके विस्तार की आशंका है, और इस कार्य के लिए उत्तराखंड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (यू–सैक) को नोडल एजेंसी नामित किया। उन्होंने कहा कि यह एक सतत प्रक्रिया है और यू–सैक को मजबूत किया जाना आवश्यक है।

राहत और बचाव अभियान

उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित क्षेत्र हर्षिल और धराली में लापता लोगों की तलाश के लिये खोजबीन तथा राहत और बचाव अभियान जारी है। रेस्क्यू अभियान में अब तक एक हजार 278 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। मलबे में दबे लोगों की खोज के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, विशेष अधिकारी और 10 भूवैज्ञानिकों की टीम तैनात है। अब तक 43 लापता लोगों में से एक शव बरामद हुआ है। शेष 42 लापता लोगों में सेना के 9 जवान, धराली के 8, आसपास के 5, टिहरी का 1, बिहार के 13 और उत्तर प्रदेश के 6 लोग शामिल हैं। 29 नेपाली मजदूरों में से 5 से संपर्क हो चुका है, बाकी 24 की तलाश जारी है। अन्य राज्यों के लापता लोगों के पते जुटाकर भी खोज की जा रही है।

इस बीच, हर्षिल में भागीरथी नदी पर बनी झील से पानी निकालने का काम सिंचाई विभाग और उत्तराखंड जल विद्युत निगम ने शुरू कर दिया है। सड़क बहाली में लिमच्यागाड में बेली ब्रिज का निर्माण पूरा हो चुका है और भारी मशीनें डबरानी तक पहुंच गई हैं। डबरानी–सोनगाड क्षेत्र की सड़क मरम्मत आज शाम तक पूरी होने की उम्मीद है। पैदल मार्ग पर हेल्प पोस्ट, मेडिकल कैंप, एसडीआरएफ और वायरलेस टीम तैनात हैं। खच्चरों से गैस सिलेंडर भेजे जा रहे हैं और जरूरत का सामान ट्रांसशिपमेंट के जरिए पहुंचाया जा रहा है। प्रभावित गांवों में मोबाइल संपर्क उपलब्ध है और आपदा नियंत्रण कक्ष लगातार काम कर रहा है।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर...

धराली आपदा के बाद चल रहे रेस्क्यू अभियान की खबर को सभी समाचार पत्रों प्राथमिकता दी है... इस खबर के शीर्षक में अमर उजाला लिखता है– धराली आपदा में लापता लोगों का आंकड़ा बढ़ा, अब तक 42 की पुष्टि, इसी खबर पर दैनिक जागरण लिखता है– आपदा प्रभावितों को दी जा रही 5–5 लाख की सहायता राशि।

उत्तराखंड के संवेदनशील क्षेत्रों में नए निर्माण पर रोक... हिन्दुस्तान समाचार पत्र इस शीर्षक के साथ खबर में लिखता है– मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आपदा की वजह से बढ़ते खतरे के मद्देनजर लिया फैसला।

चार जिला पंचायत अध्यक्ष और 11 ब्लॉक प्रमुखों का निर्विरोध निर्वाचन– इस शीर्षक के साथ अमर उजाला लिखता है– राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के 12 जिलों में कराया नामांकन...

और मौसम की खबर पर हिन्दुस्तान समाचार पत्र लिखता है– देहरादून में आसमान से बरसी आफत, बारिश ने 74 साल का तोड़ा रिकॉर्ड, अगले तीन दिन भारी बारिश की चेतावनी।